



कवीर किसान



# IKEA TEAM WITNESSES LANDSCAPE RESTORATION INTERVENTIONS



Kabirdham

November 2, 2023



कवीर किसान



## Objectives of the Visit:

- Explore landscape restoration efforts in the Kawardha and Pandariya blocks.
- Engage closely with local farmers and volunteers.
- Understand and document innovative farming techniques.
- Assess the impact of eco-friendly practices on agricultural sustainability.

The IKEA Foundation team embarked on a noteworthy field visit, immersing themselves in the rural landscapes of Kabirdham, Chhattisgarh, to witness the work of landscape restoration. Collaborating with the Chhattisgarh Agricon Samiti and Commonland Foundation, the team explored the Kawardha and Pandariya blocks, engaging closely with local farmers and volunteers. The distinguished visitors included Annelies Withofs, Program Manager; Christina Bletsou, Project Controller; and Saurabh Jha, Liaison Officer Finance from IKEA. They were accompanied by Mariken van de Boogaard, Director of Development & Communications at Commonlands.



कवीर किसान



The expedition took them to the heart of the farming community, specifically the villages of Bandha, Pauni, and Mahali in the Pandariya block. Here, the team delved into a diverse array of innovative farming techniques. These included nursery treatments in paddy fields using Trichoderma, the application of wood vinegar for enhanced plant growth, neem-based solutions for pest control, and the use of Biochar to enrich soil fertility. Farmers shared that these sustainable methods not only reduce the expenses on fertilizers and chemicals but also result in improved crop yields. There are ambitious plans to expand the adoption of these eco-friendly practices in the upcoming year.

The team also had the opportunity to observe the direct seeding of paddy, which not only saves on transplanting costs but also emphasizes the use of organic manure, proving just as effective as hybrid paddy cultivation. The visit also unveiled a diverse collection of twenty resilient rice varieties being cultivated, with farmers poised to decide which varieties to embrace based on performance results.





Mr. Manas Banerjee and Ms. Manisha Motwani provided a comprehensive overview of the program's progress since its inception, sharing insights into the strategies employed to identify and address various agricultural challenges.



The team then moved on to Kavir Kisan Thiha-Domsara, where they were warmly greeted by local women. Here, an environmental-themed exhibition was on display. In Kavir Kisan Thiha, the team explored a soil testing laboratory, where Kavita Lanjhi and Astha, the learning center Coordinators, explained the meticulous soil testing process. Visitors learned that twelve different tests are conducted as soon as soil samples arrive, and the results are swiftly shared with farmers.







कवीर किसान



Continuing their interactions, the team met with Kavir Kisan and Kavir volunteers, who shared their experiences and highlighted the vital importance of raising awareness about soil conservation for the sake of future generations. The farmers expressed their unwavering commitment to land restoration, recognizing the potential impact on their children's future. Curiosity abounded as the farmers inquired about the agricultural practices of Dutch farmers and their crop choices.

The field visit was hosted by a combined team of Commonland and Agricon including Harma Rademaker, Landscape Manager; Shekhar Kolipaka, Senior Landscape Developer from Commonlands; Manas Banerjee, Secretary of Chhattisgarh Agricon Samiti; Manisha Motwani, Program Coordinator at Chhattisgarh Agricon Samiti; and District Coordinator Deepak Bagri, accompanied by the dedicated team members Nitesh Chandel, Bhoomika Suryavanshi, Surendra Sonkar, and others.







कवीर किसान



This field visit was an invaluable opportunity to witness sustainable farming practices and the tireless efforts of the local community towards landscape restoration in their native soil. It exemplifies the power of collaboration and innovation in agriculture.





## खेती किसानी

## नई तकनीकों से हो रही भूमि की पुनर्स्थापना

# विदेशी धरती के लोगों ने देखी कबीरधाम में खेती का तरीका



पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

कचवाड़ा और पंजाब विकासखंड में भूमि के पुनर्स्थापना के लिए एनडीओ द्वारा कार्य कर रही है। उनका कार्य को जिसको देखने और समझने के लिए विदेशी भी पहुंच रहे हैं। वह खेती की तकनीकों को समझ रहे हैं।

## 20 किस्म लगाए गए

किसान ने बताया जैविक खाद का उपयोग किया है जो की हार्डिबिड धान से विकसित भी कम नहीं है। इसके बाद रोजिलिपेट धान के 20 किस्म लगाई गई है जो यह दिखाएंगे कि यहाँ पर खेत की धान की किस्म अच्छी रहेगी इसका निर्धारण किसान लेगे। इस अवसर पर कमनलैंड संस्था निदेशक, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चरल सर्विसेज से संबंधित मंडल बननी, कार्यक्रम समन्वयक मनीष मोटवानी, जिला समन्वयक दीपक बागरी, जिला चंदेल, भूमिका सुवर्धनी, सुरेन्द्र सोनकर मौजूद रहे।



कचवाड़ा, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज और कमनलैंड संस्था के सहयोग से कचवाड़ा और पंजाब विकासखंड में भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कार्य किया जा रहा है। अफ्रीका फाउंडेशन निदेशक से एलिस, क्रिस्टीन और सौरभ झा इंडिया हेड ने पंजाब विकासखंड के ग्राम कंधा, पौन, महली के किसानों के खेतों में जा कर किताबें और बीजों को देखा और किसानों से बात की। यहाँ पर धान के खेत में नर्सरी ट्रेटमेंट ट्राईकोटम से किया गया। पौधे की अच्छी देखभाल के लिए लकड़ी का छिद्रकण किया गया।

कोड़ों को रोकथाम के लिए निमाख का उपयोग किया गया और मिट्टी की उर्वरक क्षमता के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया। किसानों ने अतिरिक्त को बताया कि खाद और रासायनिक खादों से बचें खाद कम हुआ है यहाँ उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। अपने कार्य इस विधि से खेती के लिए रचना बड़ाए। इसके बाद धान की मिट्टिल से सीधे बुवाई के खेत को देखा गया, जहाँ पर रिसव धान को बुवाई करवाई गई जिसमें रोपाई के पैसे बच गए हैं।

# विदेशी धरती के लोगों ने देशी धरती की देखी खेती, किसानों के नई तकनीकों से हो रही भूमि की पुनर्स्थापना

आइकिया फाउंडेशन की टीम ने भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कबीर किसानों एवं स्वयंसेवीयों के साथ मिलकर किया मंचन



कचवाड़ा, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज और कमनलैंड संस्था के सहयोग से कचवाड़ा और पंजाब विकासखंड में भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कार्य कर रही है जिसको देखने और समझने के लिए आइकिया फाउंडेशन निदेशक से एलिस, क्रिस्टीन और सौरभ झा इंडिया हेड ने पंजाब विकासखंड के ग्राम कंधा, पौन, महली के किसानों के खेतों में जा कर किताबें और बीजों को देखा और किसानों से बात की यहाँ पर धान के खेत में नर्सरी ट्रेटमेंट ट्राईकोटम से किया गया, पौधे की अच्छी देखभाल के लिए लकड़ी का छिद्रकण किया गया, कोड़ों को रोकथाम के लिए निमाख का उपयोग किया गया और मिट्टी की उर्वरक क्षमता के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया।



किसान ने बताया कि खाद और रासायनिक खादों का खर्चा कम हुआ है और उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। अपने कार्य इस विधि से खेती के लिए रचना बड़ाएंगे 7 इसके बाद धान की मिट्टिल से सीधे बुवाई के खेत को देखा गया जहाँ पर रिसव धान को बुवाई करवाई गई जिसमें रोपाई के पैसे बच गए हैं। ऐसा किसान ने बताया साथ ही जैविक खाद का उपयोग किया है जो की हार्डिबिड धान से विकसित भी कम नहीं है 7 इसके बाद रोजिलिपेट धान के 20 किस्म लगाई गई है जो यह दिखाएंगे कि यहाँ पर खेत की धान की किस्म अच्छी रहेगी इसका निर्धारण किसान लेगे। इसके बाद कबीर किसान टीम को देखा गया जहाँ महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और परंपरागत की धीम पर कबीर प्रदर्शनी को देखा 7 कबीर किसान टीम में मिट्टी जीव लेब में गए जहाँ समझे किस प्रकार से जीव होती है यहाँ पर कविता लॉरी और अरुणा लेब प्रभाती ने विस्तार से बताया की वीपल आते ही 12 तरह की

जीव भी जाती है और रिपोर्ट को किसान को दी जाती है 7 इसके बाद कबीर किसान एवं कबीर स्वयंसेवीयों से बात-बाती से मुलाकात किया जहाँ पर किसानों ने अपने पिछले छ महीने से कर रहे प्रॉब्लम को सीखा किया और बताया कि अभी भी नहीं जाने तो आने वाले समय में मिट्टी में जान ही नहीं बचेगी तो बच्चों का क्या होगा ? इसलिए भूमि के पुनर्स्थापना के लिए जो भी करना होगा करेंगे वैसे ही किसानों ने जाना की निदेशक के किसान क्या उपाय है कैसे खेती करते हैं इसलिए 7 कबीर कालेडियर ने बताया कि अपने गाँव के समुचित विकास के लिए हम आगे आगे हैं 7 इस अवसर पर कमनलैंड संस्था निदेशक से हर्षा रेड्मेकर, मेरिक्न, शेखर, प्रदान संस्था से दीपक सिंह, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज से सविन मानस बननी, कार्यक्रम समन्वयक मनीष मोटवानी, जिला समन्वयक दीपक बागरी, जिला चंदेल, भूमिका सुवर्धनी, सुरेन्द्र सोनकर उपस्थित रहे।

# विदेशी धरती के लोगों ने देशी धरती की देखी खेती, किसानों के नई तकनीकों से हो रही भूमि की पुनर्स्थापना

आइकिया फाउंडेशन की टीम ने भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कबीर किसानों एवं स्वयंसेवीयों के साथ मिलकर किया मंचन

## फिरोज़-दीपक कुमार

कचवाड़ा, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज और कमनलैंड संस्था के सहयोग से कचवाड़ा और पंजाब विकासखंड में भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कार्य कर रही है जिसको देखने और समझने के लिए अफ्रीका फाउंडेशन निदेशक से एलिस, क्रिस्टीन और सौरभ झा इंडिया हेड ने पंजाब विकासखंड के ग्राम कंधा, पौन, महली के किसानों के खेतों में जा कर किताबें और बीजों को देखा और किसानों से बात की यहाँ पर धान के खेत में नर्सरी ट्रेटमेंट ट्राईकोटम से किया गया, पौधे की अच्छी देखभाल के लिए लकड़ी का छिद्रकण किया गया, कोड़ों को रोकथाम के लिए निमाख का उपयोग किया गया और मिट्टी की उर्वरक क्षमता के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया और मिट्टी की उर्वरक क्षमता के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया।



कचवाड़ा, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज और कमनलैंड संस्था के सहयोग से कचवाड़ा और पंजाब विकासखंड में भूमि के पुनर्स्थापना के लिए कार्य कर रही है जिसको देखने और समझने के लिए अफ्रीका फाउंडेशन निदेशक से एलिस, क्रिस्टीन और सौरभ झा इंडिया हेड ने पंजाब विकासखंड के ग्राम कंधा, पौन, महली के किसानों के खेतों में जा कर किताबें और बीजों को देखा और किसानों से बात की यहाँ पर धान के खेत में नर्सरी ट्रेटमेंट ट्राईकोटम से किया गया, पौधे की अच्छी देखभाल के लिए लकड़ी का छिद्रकण किया गया, कोड़ों को रोकथाम के लिए निमाख का उपयोग किया गया और मिट्टी की उर्वरक क्षमता के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया।

हैं 12 तरह की जीव जो जाती है और रिपोर्ट को किसान को दी जाती है 7 इसके बाद कबीर किसान एवं कबीर स्वयंसेवीयों से बात-बाती से मुलाकात किया जहाँ पर किसानों ने अपने पिछले छ महीने से कर रहे प्रॉब्लम को सीखा किया और बताया कि अभी भी नहीं जाने तो आने वाले समय में मिट्टी में जान ही नहीं बचेगी तो बच्चों का क्या होगा ? इसलिए भूमि के पुनर्स्थापना के लिए जो भी करना होगा करेंगे वैसे ही किसानों ने जाना की निदेशक के किसान क्या उपाय है कैसे खेती करते हैं इसलिए 7 कबीर कालेडियर ने बताया कि अपने गाँव के समुचित विकास के लिए हम आगे आगे हैं 7 इस अवसर पर कमनलैंड संस्था निदेशक से हर्षा रेड्मेकर, मेरिक्न, शेखर, प्रदान संस्था से दीपक सिंह, छत्तीसगढ़ एग्रिकल्चर सर्विसेज से सविन मानस बननी, कार्यक्रम समन्वयक मनीष मोटवानी, जिला समन्वयक दीपक बागरी, जिला चंदेल, भूमिका सुवर्धनी, सुरेन्द्र सोनकर उपस्थित रहे।



कवीर किसान



# KAVIR

जुड़िये “कवीर” के  
हो आज के साथ  
कल का विकास

**403-404 4th Floor Progressive Point  
Lalpur, Raipur(CG) 492001**